SHRI RAM VILAS PASWAN: The CBI is investigating the case. How can I talk on behalf of the CBI? *(Interruptions)*...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, what is this? What are the terms of reference *(Interruptions)*...

SHRI RAM VILAS PASWAN: Sir, I want to make it clear. The CBI is investigating the case. Let the CBI properly investigate the case. Even if I know, I will not disclose it here. *(Interruptions)*...How can I disclose it? *(Interruptions)*...How can I disclose it? *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Shri E. Balanandan. *(Interruptions)*... Please. Shri Balanandan.

SHRI E. BALANANDAN: The issue under discussion has brought out very serious questions relating to the security of the country. Therefore, I demand that this issue may be taken up for a half-an-hour discussion atleast so that all aspects could be discussed.

Lack of security at Kathmandu Airport

*63. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had been pre-warned of the lack of security at Kathmandu Airport.

(b) whether it is also a fact that in spite of this no action was taken to take precautionary measures by the Indian Airlines at Kathmandu; and

(c) if so, what explanation Government have to give for their failure to ensure the security of passengers and aircraft against hijacking?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SHARAD YADAV):(a) to (c) A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) to (c) Yes Sir. The need for enhancing security and immigration control at Tribhuvan International Airport (TIA) as well as security measures required by Indian Airlines had been discussed by Government of India with His Majesty's Government of Nepal (HMGN) on several occations.

The proposal for Indian Airlines to post its own Security Officer and to have ladder point frisking at TIA, was not accepted by HMGN stating that the security of flights, including Indian Airlines flights and the entire operational area, was the exclusive responsibility of HMGN.

HMGN has assured to extend its cooperation to Government of India in this regard and take necessary steps to enhance security at TIA on a priority basis.

श्री प्रेमचन्द गुप्ता: चेयरमैन सर, मैं तो सोचता था कि माननीय मंत्री जी पटना गए होंगे इस क्राइसिस मैनेजमेंट में, लेकिन आज इनको हम यहां देख रहे हैं। ...**(व्यवधान)** इनको पटना में होना चाहिए था, लेकिन हम उनको यहां देख रहे हैं। Sir, in reply to my question, the Government had stated that it was aware of the threat relating to the lack of security at Kathmandu Airport. Nepal has become a ground for carrying out anti-Indian activities by the ISI, and the Government of India is fully aware of that. In a written reply to my Question No. 59, dated 24th February, 2000, the hon. External Affairs Minister had said that the Government of India were aware of, and were also concerned about, the Pakistan's Inter-Services Intelligence Agency misusing the territory of Nepal for activities inimical to India's interest. Sir, it was clearly known that there was a free-for-all entry at Kathmandu Airport. I would like to know whether the Indian Airlines had been informed that they should be concerned about the appropriate measures to be taken to ensure the security of the to-and-fro flights between Kathmandu and Delhi. If the Indian Airlines had been informed about this, then, what action was taken, what steps were taken, by the Indian Airlines? And if the Indian Airlines had not been informed, why were they not informed? I would like to know this specifically.

श्री शरद यादव: सभापति जी, नेपाल से हमारे सदियों पुराने रिश्ते हैं और वे रिश्ते, ऐसे रिश्ते हैं, कि हमारा बॉर्डर आज भी ओपन है और भारत सरकार के पास जनरली यह सारी खबर थी कि ये जितने भी अतिवादी संगठन हैं उनका अड्डा काठमांडू बनाया जा रहा है और बनाते रहे हैं, लेकिन स्पेसेफिक तौर पर, यानी हाइजैकिंग हो रही है, या और चीज़ हो रही है, इस तरह की कोई खबर सिविल एविएशन विभाग के पास पहले नहीं थी। निश्चित तौर पर जिस तरह का सैक्युरिटी का थ्रैट था, इसके मामले में सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने यानी 1984 से 1996 तक और अभी तक एक टीम नहीं, कई समितियों को, कई डेलीगेशंस को वहां पहुंचा करके इसकी चर्चा की है। कुछ ऐसे सवाल हैं जो नेपाल की सॉवरेनिटी से संबंधित हैं, लेकिन वहां की सैक्युरिटी के बारे में जो माननीय सदस्य जानना चाहते हैं, वहां की सैक्युरिटी के मामले में हम बराबर चिंतित रहे हैं। हमने उनकी सरकार के साथ कई नैगोसिएशंस किए हैं। हमने अपनी सैक्युरिटी देने का भी उनसे प्रस्ताव किया है, लेकिन नेपाल की जो सरकार है उसके लिए कभी तैयार नहीं हुई है। वह एक अलग देश है। फिर भी हमारी लगातार कोशिश रही है और हम अपनी सैक्युरिटी वहां दें, इसका भी हमने प्रयास किया है। दूसरी तरह से भी प्रयास किए हैं, लेकिन वह सारे प्रयास आज तक सफल नहीं हुए हैं। जो बात आप कह रहे हैं, उस से हम भी चिंतित हैं। इस में कोई शक नहीं और स्पेसिफिक नहीं है, लेकिन इस बात की बराबर मुकम्मल तौर पर हम को जानकारी है कि अतिवादी संगठनों ने नेपाल को एक तरह से ऐसा स्थान बना लिया है जिस से कि वहां से ऑपरेशन किया जाए। हम को इस की जानकारी है, लेकिन हमारे सामने भी यह दिक्कत है कि वहां की सरकार अलग है और जब तक वह तैयार नहीं होती तब तक इस तरह की सेक्युरिटी का प्रबंध हम लोग नहीं कर पाते हैं।

सभापति जी, यह प्रयास सिर्फ हमारी सरकार ने ही नहीं किया है बल्कि पिछली सरकारों, चाहे वह कांग्रेस पार्टी की सरकार हो, नेशनल फ्रंट गवर्नमेंट हो, के जमाने में भी प्रयास किया गया है। सभापति जी, नेपाल के साथ हमारे गहरे रिश्ते हैं और सदियों से हमारे बॉर्डर के दोनों तरफ के लोगों के बीच शादी-ब्याह के रिश्ते हैं। इस तरह यह प्रॉब्लम बहुत काम्पलीकेटेड है और इस का पेसेंस से समाधान करने की जरूरत है जिस के लिए हम प्रयासरत हैं। अभी दो दिन पहले हम ने सिविल एविएशन का एक डेलिगेशन वहां भेजकर इन सारी बातों पर विस्तार से विचार किया है कि कैसे इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। वहां की सरकर ने भी हायजैकिंग के सवाल पर एक कमेटी बनाई है। हम ने अपने विभाग से श्री टी॰पी॰ लोहार को वहां इस कार्य के लिए भेजा। इस तरह से इन सारे कामों में हम लगे हुए हैं और मानीनय सदस्य जिस बात से चिंतित हैं, उस बारे में उतनी ही चिंता हमारी भी है, लेकिन कोई रास्ता

नहीं निकल सका है। हमारी कोशिश जारी है। हमारा विदेश मंत्रालय जो इस सारे काम को कर रहा है, उन से भी हम ने इसे एक्सपीडाइट करने को कहा है।

श्री प्रेमचन्द गुप्ता: चैयरमेन सर, जिस तरह हमारी इंडियन एअरलाइंस और एअर इंडिया हायजैकिंग प्रोन समझी जाती है, उसी तरह से इजरायल की एअरलाइंस, नेशनल कैरियर 'अलेल' है। 'अलेल' की एक भी फ्लाइट बगैर सेक्युरिटी चैक किए क्लिअर नहीं होती है। तो अगर नेपाल ने आप की बात नहीं मानी You should have stopped the flights. Heavens were not going to fall.

चैयरमेन सर, पूरा देश इस हायजैकिंग की वजह से हूमिलेट हुआ, टर्माइल में आया और टेरेरिस्ट्स की बातों पर हम को ब्लैकमेल होना पड़ा। हमारे महान जवानों ने अपनी जानें गंवाकर जिन टेरेरिस्ट्स को पकड़ा उन्हें छोड़ना पड़ा, एक नौजवान नव-विवाहित लड़की विधवा हो गयी। Mr. Chairman, Sir, it is a national shame and the sole responsibility lies either on the Government of India or on the Indian Airlines. When the Nepal Government did not agree to allow us to supervise the security arrangement at the airport, we should have stopped the flights. Those who have seen the Tribhuvan International Airport at Kathmandu know that it is a free-for-all airport. Anybody can carry anything. That is how the hijackers were able to carry heavy weapons into the aircraft.

In addition to that, there is a standard operating procedure. When the Government was informed about the hijacking, the standard operating procedure should have been followed. I am sorry to say that the standard operating procedures were not known to the Government. When the crisis management group was formed, they did not have the telephone number of IG, Amritsar. They were still having the old telephone number of DG, Punjab. Sir, this was our crisis management group. The number had already changed. The crisis management group was having the old numbers. The NSG was waiting at the airport for taking off but the concerned Joint Secretary was not available. He could not be contacted. Sir, it was a national security lapse.

माननीय मंत्री महोदय, अगर नेपाल में आपने सिक्युरिटी का ठीक से प्रबंध नहीं किया है तो ये सांदयों पुराने रिश्ते काम नहीं आने वाले हैं because we should be concerned

about our security and not about the century-old relationship. Mr. Chairman, Sir, my question is very specific. Did the Government inform the Indian Airlines or not? If not, why? If yes,—I repeat my question—what action did the Indian Airlines take? If no action was taken, what action does the Government intend to take against the persons who were in charge of security at the Kathmandu airport.

श्री शरद यादव: सभापति जी, इस सवाल में बहुत से सवाल इतने विस्तार से इन्होंने उठा दिए हैं, इस बारे में कल ही विदेश मंत्री जी ने एक वक्तव्य सभा पटल पर रखा है और आपने जितने सवाल उठाए हैं, उन पर विस्तार से जवाब देने का काम सरकार करेगी।

रहा सवाल यह कि पंजाब के जो डी०जी० पुलिस हैं, उनका नम्बर नहीं मालूम था, तो यह आपकी खबर ठीक नहीं है। नम्बर बाकायदा थे, उनसे बाकायदा बात हुई। क्राइसिस मैनेजमेंट की छोड़ दीजिए, हमारे विभाग से भी ठीक नम्बर मिले और हमारे...

श्री प्रेमचन्द गुप्ता: नम्बर ठीक मिला, सर, लेकिन only after 45 minutes ...*(Interruptions)* It is a fact. I can produce the documents.

श्री शरद यादव: इसके ऊपर वक्तव्य आएगा तो विस्तार से आप इन बातों को पूछ सकते हैं, लेकिन हमारे विभाग के पास बाकायदा सही नम्बर थे। इन नम्बरों के बारे में जो आपके पास जानकारी है, वह ठीक नहीं है। रहा सवाल सिक्युरिटी का, तो दुनिया के किसी दूसरे देश में सिक्युरिटी का मामला उस देश का होता है। मैंने आपसे बार-बार कहा कि हमने बहुत नेगोसिएशन किया, जो दिक्कतें हैं नेपाल में उनको दूर करने के लिए कई बार नेगोसिएशन किया, कोई हमारी अकेली सरकार ने नहीं किया.....

श्री प्रेमचन्द गुप्ता: मान्यवर, आप दिल्ली इंटरनेशनल एयर पोर्ट पर 'अलऐल' की फ्लाइट पर देखिए....

MR. CHAIRMAN: No. ...*(Interruptions)*

SHRI PREM CHAND GUPTA: Israeli security people are there with our security people ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: It cannot continue like this. Other Members also want to put their questions.

डा० कर्ण सिंह: सभापति जी, जहां तक ...**(व्यवधान)**...

एक माननीय सदस्य: जवाब नहीं आया सर।

श्री सभापति: कल डिबेट में आ जाएगा। इस पर स्टेटमेंट आया है, डिबेट होगी।

श्री शरद यादव: स्टेटमेंट आ गया है, उस पर डिबेट होगी और जिन बातों का जवाब आप चाहते हैं, उन बातों का जवाब हम देंगे।

डा० कर्ण सिंह: सभापति जी, जहां तक हाइजैकिंग का प्रश्न है, कल विदेश मंत्री महोदय ने यहां इस बारे में एक वक्तव्य दिया, उस पर एक विस्तृत चर्चा इस हाउस में होनी चाहिए क्योंकि इस हाइजैकिंग के कारण बहुत ही अद्भुत घटनाएं हुईं और देश की प्रतिष्ठा बढ़ी नहीं, कम हुई और इस पर विस्तार से बात होनी चाहिए।

मैं इस समय यह जो प्रश्न विशेष है काठमांडू के बारे में, उस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। मंत्री जी ने कहा कि हमारे सदियों पुराने रिश्ते हैं, पुराने भी हैं, नए भी हैं और मेरा तो वहां ससुराल है मंत्री जी, इसलिए रिश्ते चले आ रहे हैं, लेकिन रिश्तों की बात नहीं है, इसमें मेरी विनम्र प्रार्थना यह है कि सारा दोष केवल नेपाल सरकार के ऊपर डालना मुझे उचित नहीं लगता है। इसमें इंडियन एयरलाइंस की भी ढील हुई है, हमारी जो वहां पर ऐम्बेसी है, उसकी भी ढील हुई है क्योंकि इंडियन एयरलाइंस का वहां इतना आवागमन है, मैं यह मानने को तैयार नहीं हूं कि नेपाल ने कहा हो कि आप यहां उसको सर्च नहीं कर सकते। आपका वहां जो स्टाफ इंडियन एयरलाइंस का था वह भी ग़फलत में पड़ गया था, वह भी अपना कार्य पूरी रुचि से नहीं कर रहा था, अगर आप देखें तो यह स्पष्ट रूप से उन दिनों की अखबारों में भी निकला था। तो मेरे प्रश्न का पहला भाग यह है कि जो इंडियन एयरलाइंस का वहां स्टाफ था उस समय, उनकी ग़फलत के बारे में या उनके विषय में आपने कोई इंक्वायरी की और अगर इंक्वायरी की तो उसका क्या रिजल्ट निकला?

अपने प्रश्न के दूसरे भाग के रूप में मैं जानना चाहता हूं कि आपके राज्य मंत्री महोदय ने हाइजैकिंग के बाद वक्तव्य दिया था कि हमारी सारी उड़ानें काठमांडू के लिए अब बंद हो गई हैं, तो क्या हमारी उड़ानें काठमांडू के लिए बंद हो गई हैं और अगर बंद हो गई हैं तो उनको फिर से चलाने का क्या प्रयत्न किया जा रहा है और अगर चल रही हैं तो सुरक्षा के संबंध में क्या कार्यक्रम आप बना रहे हैं?

श्री शरद यादव: सभापति जी, मैंने कभी नहीं कहा कि नेपाल सरकार की ही गलती है, हमारी गलती नहीं है। यह सारा जो हाइजैकिंग का मामला है, मैंने इस बारे में कहा

कि हमेशा नेपाल की सरकार का हमारे देश के प्रति मित्रवत रवैया रहा है। मैंने यह कभी नहीं कहा कि उन्हीं की गलती है। ऐसा अन्याय मेरे साथ मत करिए।

दूसरा सवाल आपने किया कि हमने जो अपनी टीम पहुंचाई क्या उसने यह देखा कि सिविल ऐवियेशन डिपार्टमेंट की तरफ से भी कोई सिक्योरिटी लैप्स हुआ है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इन सारी चीजों की जांच के लिए हमने डी०पी० लोहार को वहां भेजा था और उनसे रिपोर्ट मांगी थी। उस रिपोर्ट में उन्होंने कहा है कि सिविल ऐवियेशन डिपार्टमेंट की तरफ से कोई सिक्योरिटी लैप्स नहीं हुआ है... मैडम, हंसने की बात नहीं है। मैं ठीक कहा रहा हूं, दुरुस्त कह रहा हूं।

श्रीमती जयन्ती नटराजन: आपके जवाब से हंस रही हूं। हंसने का भी हमको राईट नहीं है क्या? क्या आर०एस०एस० ने हंसना भी बंद कर दिया है?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: May I know why he should look at her only while speaking?

श्री शरद यादव: इसके लिए आप मुझे माफ कर दें। देखना हम बंद नहीं कर सकते। सभापति जी, जहां तक जांच का सवाल है, हमने सिर्फ अपने विभाग की जांच कराई है। वैसे इस मामले की पूरी जांच सी०बी०आई० कर रही है।

डा० कर्ण सिंह: इंडियन एयरलाइंस का जो मामला था ...**(व्यवधान)**

श्री शरद यादव: मैं कह रहा हूं कि इंडियन एयरलाइंस की तरफ से किसी तरह का लैप्स नहीं हुआ था। यानी जो सिक्योरिटी का मामला है, वह इंडियन एयरलाइंस के हाथ में नहीं है। दूसरी बात आपने यह पूछी कि काठमांडू की जो फ्लाइट्स हैं, उनको जल्दी से जल्दी कब रिज्यूम किया जाएगा ...**(व्यवधान)**

श्री राजूभाई ए० परमार: बोर्डिंग पास किसने इशू किया था? Six boarding passes were given in one name. In what name was it given?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, यह ठीक नहीं है। आपको प्रोटेक्ट करना चाहिए। मैं जवाब दे रहा हूं ...**(व्यवधान)**

SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: How were the boarding passes given?

श्री शरद यादव: सभापति जी, माननीय कर्ण सिंह जी सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं। उन्होंने तीसरा सवाल यह पूछा है कि काठमांडू के लिए हवाई सेवा जल्दी से जल्दी कब शुरू कर रहे हैं। इसके लिए हम अपने यहां से टीम भेज रहे हैं। विदेश मंत्रालय से हमने कई बार इस संबंध

में बात की है। आज भी मैंने बात की है। इसमें हमको 16 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और नेपाल की इकॉनामी भी अधिकांशतः टूरिस्ट्स पर निर्भर है। इस हवाई सेवा को जल्दी कैसे शुरू किया जाए, इस पर हम गंभीरतापूर्वक विचार कर रहे हैं लेकिन सिक्योरिटी के मामले में कंप्रोमाइज़ करके इसको शुरू नहीं किया जा सकता। जब सिक्योरिटी का मामला मुकम्मल हो जाएगा, तब हम इसको करेंगे।

श्री शंकर राय चौधरी: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि काठमांडू के अलावा इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया के विमान हमारे नज़दीक के देशों के कई दूसरे हवाई अड्डों से उड़ान भरते हैं जैसे ढाका, बैंकाक, सिंगापुर, इत्यादि। मेरा सवाल यह है कि काठमांडू के अनुभव के बाद दूसरे सवाल यह है कि काठमांडू के अनुभव के बाद दूसरे जो ऐसे हवाई अड्डे हैं, जहां हम जानते हैं कि हमारे देश की विरोधी शक्तियां काम कर रही हैं, मैं उन देशों का नाम नहीं ले रहा हूं, क्या इन देशों के हवाई अड्डों पर भी आप सोच रहे हैं कि इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया के विमानों में सिक्योरिटी टाइट की जाए?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, पोस्ट हाईजैकिंग सिक्योरिटी के बारे में हमने अपने देश के भीतर और बाहर कई तरह के प्रयास किए हैं। हमारे देश में जो सेंसिटिव इलाके हैं उन पर भी और जिन जगहों के बारे में माननीय सदस्य ने पूछा है, उनके बारे में हम गंभीरतापूर्वक विचार कर रहे हैं और फिर से इस तरह का कोई हादसा न हो, इसको दृष्टि में रखते हुए, हमारी तरफ से जो-जो कोशिश हो सकती है, उस कोशिश को करने में हम कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

श्री गोविन्दराम मिरी: सभापति महोदय, नेपाल में जो घटना हुई है ऐसी घटना देश के अन्य भागों में भी हो सकती है। अभी भी इंडियन एयरलाईंस या एयर इंडिया की जहां उड़ानें हैं वहां पर सिक्योरिटी के मामले में मुझे ऐसा लगता है कि इंडियन एयरलाईंस उतनी सावधानी नहीं बरत रही है। उदाहरण के तौर पर मैं बता रहा हूं कि जहां पर जो चैक-इन-बैगेज हैं उसके लिए एक्सरे मशीन तक नहीं हैं। जो होल्ड में रखा जाता है वहां कुछ भी धमाका हो सकता है। एक तरफ तो हम चिंतित हैं सिक्योरिटी के लिए और ऐसे जहां पर स्टेशन हैं उदाहरण के लिए मैं बता सकता हूं कि रायपुर में, जो उड़ीसा को कवर करता है, छत्तीसगढ़ को कवर करता है और जो जुड़े हुए राज्य हैं — महाराष्ट्र और अन्य भाग हैं उसको और उड़ीसा के एक तिहाई भाग कवर करता है। ऐसे जो नाजुक स्थान हैं वहां पर भी सिक्योरिटी के मामले में चैक-इन-बैगेज की एक्सरे मशीन नहीं हैं और साथ ही मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि क्या आप लेडर के पोइंट पर जामा-तलाशी के लिए ऐसे स्टेशनों पर कोई

ऐसी व्यवस्था करने जा रहे हैं और जहां-जहां एक्सरे मशीन नहीं हैं वहां क्या आप एक्सरे मशीन की व्यवस्था करने जा रहे हैं? यदि हां, तो कब तक?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, वैसे सिक्योरिटी के मामले पर सवाल नहीं उठता है। लेकिन फोर्स सिक्योरिटी के मामले में हमने कई तरह के उपाय किए हैं। जहां एक्सरे मशीनें नहीं हैं वहां उनको मशीनें दे रहे हैं और जहां मशीनें पुरानी हैं उनको अपग्रेड कर रहे हैं। एक स्टेप में लेडर चैकिंग वाला जो सवाल आपने उठाया है वह वाजिब सवाल है। लेडर चैकिंग का मामला हम लोगों ने इम्प्लीमेंट कर दिया है और रेंडम बेसिस पर मार्शल भी लगा रहे हैं। हालांकि मूल सवाल से यह सवाल नहीं उठता है।

PROF. (SHRIMATI) BHARATI RAY: Sir, due to paucity of time, I will put my supplementary quickly. I agree with Dr. Karan Singh that the entire responsibility has been placed on the Government of Nepal. I want to know whether we, either Indian Airlines or Air India, depend for our security only on foreign countries. Do our Government and the staff of airlines have no responsibility for our security? Why do we look to others for our security?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्या से पूरी तरह से सहमत हूं कि इसका उपाय भी हम ढूंढ रहे हैं कि किस तरह से जो इंडियन एयर.....**(व्यवधान)**

श्री नीलोत्पल बसु: आपकी गवर्नमेंट तो प्रो-एक्टिव गवर्नमेंट है। घटना हो जाने के बाद क्यों सोच रहे हैं?.....**(व्यवधान)**

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्या से पूरी तरह से सहमत हूं। हम भी अपनी तरफ से नेपाल सरकार या कोई भी दूसरी विदेशी सरकार हो, हमारी इंडियन एयर लाईंस हो या एयर इंडिया हो, हम अपनी तरफ से क्या-क्या उपाय कर सकते हैं इस पर हमने विचार किया है कि किस तरह से रास्ता निकाला जा सकता है जिससे इस तरह का हादसा न हो। यह हमारी कोशिश तेजी से चल रही है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि हमारी जिम्मेदारी नहीं है। माननीय सदस्या फिर से गलत कह रही हैं। जो हिजहाईनेस नेपाल गवर्नमेंट है उसके बारे में मैंने यह नहीं कहा है। मैंने इतना ही कहा कि जो सिक्योरिटी का मामला है उनके साथ कई दिनों से नेगोसिएट हो रहा है लेकिन मेट्रियलाइज नहीं हो रहा है। मैंने इतनी ही बात कही है।

†मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: सर, जो कमियां रही हैं सुरक्षा में मैं यह जानना चाहता हूं कि अभी बंगलौर में फर्जी हाइजेकिंग कराई गई और वह फर्जी हाइजेकिंग कामयाब रही है और एक मर्तबा जब यह आदत बिगड़ी तो फिर वह सुधरी नहीं है। मैं जानना चाहता हूं कि इस फर्जी हाइजेकिंग में वह कौन-कौन सी कमजोरियां थीं जिन कमजोरियों की वजह से फर्जी हाइजेकिंग कामयाब हुई और उन कमजोरियों के सुधार के क्या उपाय हो रहे हैं?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, मॉक ट्रॉयल हमने ही करवाया है और रिपोर्ट आएगी तो माननीय सदस्य को और पूरे सदन को इससे वाकिफ करा दिया जाएगा। जो बात सामने आएगी वह आपके सामने रख करके बता दिया जाएगा कि हमारी और कमियां क्या हैं।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Concessions to Private Phone Companies under Migration package

*64. SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the observation made by the Comptroller and Auditor General (CAG) that Government failed to safeguard their own interest while giving concessions to private phone companies under migration package; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) A draft Audit Para titled "Package of concessions to existing Cellular and Basic Telephone Service Operators" was received on 28th October, 1999 from Director General of Audit, Post and Telecommunications.

(b) Government have not accepted the observations made in the Draft Audit Para and have indicated that the policy regarding migration of the existing licensees to the New Telecom Policy-1999 (NTP-99) regime of revenue sharing arrangement was formulated as a

† Transliteration of the speech in persian script is available in the Hindi version of the Debate.